मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

MTT-042

सिंधी-हिन्दी-अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.टी.टी.-042 : सिंधी-हिन्दी के विविध क्षेत्रों में अनुवाद

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 20

(क) सूचना एवं विवरणों के बारे में आप क्या समझते हैं ? संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

(ख) आंगनवाड़ी और बाल विकास द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित सिंधी शब्दों के हिन्दी पर्याय लिखिए : 5

(i) अखबार

(ii) खड़िको

(iii) चमिकाइणु

(iv) ग॒ोल्हा करणु

(v) अझो

(vi) जीअरो

(vii) उल्थो

(viii) पींघो

(ix) मास्तरु

(x) पेशिगी

3. निम्नलिखित हिन्दी शब्दों के सिंधी पर्याय लिखिए : 5

(i) गहरा

(ii) पेट पालना

(iii) सामर्थ्य

(iv) चावल

(v) टूटना

(vi) चिड़िया

(vii) भेजना

(viii) परिचित

(ix) हम

(x) बंगला

4. (क) निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** का हिन्दी अनुवाद करते हुए उनका सिंधी वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 10

(i) अर्श ते उॾामणु

(ii) सचु त बीठो नचु

(iii) फुड़ीअ-फुड़ीअ तलाउ

(iv) जहिड़ो संगु तहिड़ो रंगु

(v) अॻ खां अॻिरो

(ब) निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** का सिंधी अनुवाद करते हुए उनका हिन्दी वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 10

(i) जान से प्यारा

(ii) दाँत खट्टे करना

(iii) आसमान से बातें करना

(iv) ईंट से ईंट बजाना

(v) सिर ऊँचा करना

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** क हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10×4=40

(i) मुंहिंजे नजर में सामीअ जे शाइरीअ जी वडु में वडो खूबी आहे सादगी ऐं पुख्तगीअ सां गडोगडि हिक कुवत जंहिंखे जादू बि सड सघिजे, सागो सागो गाल्हि अविद्या ऐं माया, सत्गुरूअ जी महिर ऐं सुहागिण जो सत् अनेक बैतनि में दुहिराए वञ ऐं पढ़ण वारे जे दिलि ते शाइर जो राज़ सागियो काइमु रहे। शाइर घणेई बुर्दबार शानदार डिठासीं पर सामीअ जहिड़ो शाइरु को मुश्किल लभन्दो, जंहिं वटि न हुजे दरबारि न ढंग, न सांग न रंग, न अहसास न उमंग, त बि संदसि वाणीअ में अहिड़ो शान, अहिड़ी फ़ज़ीलत, अहिड़ी सफलता! होमर जी साराह था कनि त हिक आदमीअ खे डह साल समुण्ड ते सफ़र करायो अथसि ऐं हर हर सागियो आब, सागियो आकास चिटियो अथसि त बि संदसि शइर में का अहिड़ी कुवत, का अहिड़ी कुदरत आहे जो पढ़न्दड़ या बुधन्दड़ थकिजे ई नथो, ककि नथो थिए। सामीअ में उहा कुवत ऐं उहा कुदरत आहे; फर्क रुगो इहो आहे त होमर ऐं बिया शाइर किसनि ऐं कहाणियुनि, इतिहास ऐं चालू तशबीहनि ऐं इस्तारनि सां पढ़न्दड़ जो मन मोहीनि था, सामीअ

वटि के थोरा इशारा थोरियूं तशबीहूं आहिनि। नोड़ी ऐं नांग, कंवल गुल, अनल पखी, सपने मंझि राजा, दसवां द्वार, मोहन जी मुरली, चकोर ऐं चण्ड, सुहागिण ऐं सत्गुरू ते दिलकश कविता रचे सघियो आहे, जा हजारें सलोकनि ताईं वञो पहुत्तो। सामीअ जे सलोकनि जो रूप बिल्कुल सादो आहे, पर अंदर माणिया भरिया पिया आहिनि।

(ii) ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीचु एण्ड हीयरिंग (एन आटोनमसु बॉडी अंडर द मिनिस्ट्रो ऑफ हेल्थ एण्ड फैमली वेलफेअर, गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया), मनसा गंगोत्री, मैसूर-570006

फोन : 0821-2502000/2502100, www.aiishmysore.in

....

इश्तिहार नं. 13/2021 तारीख 29 अक्टूबर, 2021

ए. आई. आई. एस. एच., मैसूर संस्थान में नियमित आधार ते हेठि लिखियल उहिदनि ख भरण लाइ हेठि ड़िनल तफसील अनुसार फार्म घुराइणनि था :

पद कोड	**पद जो नालो**	**पद जी संख्या**	**उमिरि (मथीं उमिरि सीमा)**	**पघार**
1	डीन	01 (अना)	50 सालनि ताईं	VII सीपीसी जो लेवल 12

2	नर्सिंग अधीक्षक	01 (अना)	30 सालनि ताईं	VII सीपीसी जो लेवल 08
3	ऑडियोलॉजिस्ट /स्पीच-लैंग्वेज (ii) पैथोलॉजिस्ट ग्रेड-II	02 (अपिव-01 अजा-01)	30 सालनि ताईं	VII सीपीसी जो लेवल 06
4	पुस्तकालय ऐं सूचना सहायक	01 (अना)	30 सालनि ताईं	VII सीपीसी जो लेवल 06
5	मेडिकल रिकॉर्ड्स तकनीशियन	01 (अना)	27 सालनि ताईं	VII सीपीसी जो लेवल 04
6	सहायक ग्रेड-II	01 (अना)	27 सालनि तक	VII सीपीसी जो लेवल 04
7	बहु पुनर्वास कार्यकर्त्ता	01 (अना)	25 सालनि खां नंढो (हेठि)	VII सीपीसी जो लेवल 04

फार्म प्राप्त करण जी आखरीन तिथि 17-12-2021 शाम जो 5:30 बजे वधीक जाण लाइ संस्थान जी वेबसाइट www.aiishmysore.in ते डिसो।

तारीख : 29-10-2021 हस्ता./

स्थान : मैसूर निदेशक

(iii) भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

राष्ट्रोय ग्रामीणु स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रोय ग्रामीणु स्वास्थ्य मिशन (एन. आर. एच. एम.) भारत सरकार पाराँ सम्पूर्णु राष्ट्र जो गोठनि जे नागरिकनि जी तंदुरुस्ती जी रख्या करण जे लाइ हिन मिशन जी स्थापना कई वई आहे। हिन मिशन द्वारा गरीब माण्हुनि खास करे महिलाउनि ऐं बारनि खे स्वास्थ्य संबंधी सेवा डिनी वेंदी।

मानाउनि जी मौत जी औसत ऐं नढंनि बारनि जी मौत जी औसत में घटिताई करणु, रोगनि या बीमारियुनि ख रोकणु ऐं कंट्रोल करणु, महिलाउनि ऐं बारनि ख स्वास्थ्य सेवा जूँ सुविधाऊँ डियण वगैरह। इन कम खे सही रूप सां करण लाइ इहो कमु 'आशा' जी सहायता सां गोठाणी स्वास्थ्य लाइ सुविधा डियारी वेंदी आहे। जेकै देश जे गोठनि जी सेहत संभालीदियूं आहिनि।

लगभग 8 लखनि खां वधीक 'आशा' जनस्वास्थ्य सां गड गोठाणी भारत ख जोड़े रहियूँ आहिनि/जंहिंसा स्वस्थ राष्ट्रनिर्माणु जो सपनो साकार थी सघे थो।

(iv) दोस्त खे जनम ॾोंहं जो नींड पत्र

गुमानपुरा,

कोटा

तारीख 20-9-2006

प्यारा सुरेश,

सप्रेम नमस्ते!

तोखे यादि हूंदो त मुंहिंजे जनमु ॾोंहुं हर साल 26 सितम्बर ते मल्हायो वेंदो आहे। हिन साल बि मुंहिंजे पिता साहिब हिक वॾ जलिसे जी योजना ठाही आहे। समारोह में मनोरंजन ऐं राति जो खाधे जो बन्दोबस्तु आहे। मूं पंहिंजे सभिनी दोस्तनि खे हिन प्रोग्राम में शामिल थियण जी नींड ॾिनी आहे। मुंहिंजी दिली तमना आहे त तूं बि हिन मौके ते असां सां गॾु हिन जलसे जी सूंहं वधाइं ज़रूरु ज़रूरु अचिजां।

चाचीअ खे मुंहिंजी चरण वन्दना ऐं सोनीअ खे प्यारु।

तुंहिंजो दोस्तु

राजेश खटवाणी

(v) शहरनि जे विच में बाग खे फिफिड़ करे लेखियो वेंदो आहे। जहिड़ीअ तरह फिफिड़ हवा मां ऑक्सीजन खणी, कार्बन-डाइ-ऑक्साइड कढी शरीर खे तन्दुरुस्त रखनि था, तहिड़ीअ तरह बाग में लॻल वण ॿूटा न रुॻो सभिनी खे ऑक्सीजन ॾियनि था, पर गुलनि जी खुशबू ऐं शीतल छाया पिण ॾियनि था, पर ॾिसो त शहरनि में वधंदड़ प्रदूषण कीअं न इन्हनिं गुलनि खे ॾुखायो ऐं मुरझायो आहे। पखीअड़ा बि कीअं न दर्द भरिया दास्तान पिया ॿुधाईनि। पखीअड़ा अॻ बागनि में टिपंदा कुॾंदा ऐं लातियूं लवन्दा हुआ। भंवर पोपट ऐं माखीअ जूं मक्खियूं गुलनि खे चाह विचां चुमंदा ऐं फेरियूं पाए खुशीअ में ॿहिकंदा हुआ पर अॼु छा थी वियो आहे ?

हू ॾिसो। बाग़ जे साम्हूं खासि रस्ते तां तेजीअ सां डुकंदड़ स्कूटर, मोटरूं, कारूं ऐं ॿिया केतिरा आमदरफत सा साधन (वाहन) जेके खूब दूहों छॾ वणनि टिणनि ॿूटनि ऐं गुलनि खे नुकसान रसाए रहिया आहिनि।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का सिंधी में अनुवाद कीजिए : 10

(i) समाचारों पर आधारित संपादक की टिप्पणी को संपादकीय कहते हैं। संपादकीय के लिए हर अखबार में बीच का एक पूरा पृष्ठ अलग से निर्धारित होता है। इसमें समाचारों पर संपादक की टिप्पणियाँ तो होती ही हैं, साथ ही समाचारों के विभिन्न पहलुओं पर आलोचनात्मक लेख और पाठकों की प्रतिक्रियाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। संपादकीय में समाचारों अथवा घटनाओं पर संपादक को अपने विचार प्रकट करने की पूरी छूट होती है। समाचारों को पढ़ने के बाद पाठक के मन में कई प्रकार की जिज्ञासाएँ उत्पन्न होतो हैं और वह यह जानने के लिए उत्सुक रहता है कि संबंधित घटना उचित थी या नहीं। बहुत से समझदार पाठक समाचारों को पढ़ने के तुरंत बाद सम्बन्धित घटना के बारे में अपनी राय बना लेते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर देते हैं। लेकिन बहुत से पाठक ऐसे होते हैं, जो संपादकीय में प्रकाशित

समाचार के विभिन्न पहलुओं को जानने के बाद अपनी राय बनाते हैं। इस तरह संपादकीय किसी भी अखबार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग होता है। अतः संपादकीय टिप्पणियों और लेखों के आधार पर संपादक अथवा अखबार की विचारधारा का आसानी से पता लगाया जा सकता है। क्योंकि संपादक के स्वतंत्र विचार हमें सही राय बनाने में मदद करते हैं।

(ii) आपको जानकर आश्चर्य होगा कि गद्य का लिखित रूप अपेक्षाकृत काव्य के बाद में प्रारंभ हुआ। असल में गद्य को पहले बोलचाल की भाषा माना जाता था, इसीलिए साहित्य अथवा लेखन क क्षेत्र में इसका प्रयोग नहीं होता था। पहले विविध ज्ञान-विज्ञान तथा इतिहास संबंधी विषयों की रचना भी काव्य में ही लिखी जाती थी। किन्तु बाद में जैसे-जैसे समाज का विकास होता गया तथा अनुभव और विचारों का क्षेत्र विस्तृत होता गया तो धीरे-धीरे गद्य के महत्व का समझा जाने लगा।

गद्य का स्वरूप निर्धारित करते हुए संस्कृत साहित्यशास्त्र में विद्वानों ने इसे कथा, व्याख्यान आदि नामों से पुकारा। किन्तु इसमें कथा साहित्य के अतिरिक्त इतिहास विज्ञान अथवा चिंतनपरक लेखों पर कोई विचार नहीं किया गया।

हिन्दी के आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने गद्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'दुनिया के सारे व्यवहार गद्य द्वारा चलते हैं, तो दूसरी ओर गूढ़ और जटिल विचारों को व्यक्त करने का उपयुक्त साधन भी गद्य ही है। बातों का बोध कराने के अतिरिक्त हृदय में हर्ष, विषाद, प्रेम, करुणा इत्यादि भावों की व्यंजना के लिए भी गद्य का प्रयोग कम नहीं होता। गद्य की सबसे सरल, व्यापक और सर्वमान्य परिभाषा यही हो सकती है कि जिस भाषा का हम साधारण बातचीत में प्रयोग करते हैं, वह गद्य है। गद्य का लक्ष्य सहज तथा सरल ढंग से अपने प्रयोजन की अभिव्यक्ति करना होता है।